No. of Printed Pages : 4

MHD-10

एम. ए. (हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम. एच. डी.-10 : प्रेमचंद की कहानियाँ

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : (*i*) **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है।

(*ii*) शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 10

(क) प्राचीनकाल में जौ का चाहे जो कुछ महत्व रहा हो, पर वर्तमान युग में जौ का भोजन सिद्ध पुरुषों के लिए दुष्पाच्य होता है। बड़ी चिंता हुई, महात्मा जी को क्या खिलाऊँ। आखिर निश्चय किया कि कहीं से गेहूँ का आटा उधार लाऊँ पर गाँव-भर

में गेहूँ का आटा न मिला। गाँव में सब मनुष्य-ही-मनुष्य थे, देवता एक भी न था। अतएव देवताओं का खाद्य पदार्थ कैसे मिलता।

(ख) रात का समय था। बुद्धिराम के द्वार पर शहनाई बज रही थी और गाँव के बच्चों का झुंड विस्मयपूर्ण नेत्रों से गाने का रसास्वादन कर रहा था। चारपाइयों पर मेहमान विश्राम करते हुए नाइयों से मुक्कियाँ लगवा रहे थे। समीप ही खड़ा हुआ भाट विरदावली सुना रहा था और कुछ भावज्ञ मेहमानों की 'वाह, वाह' पर ऐसा खुश हो रहा था मानो इस वाह-वाह का यथार्थ में वही अधिकारी है। दो-एक अंग्रेजी पढ़े हुए नवयुवक इन व्यवहारों से उदासीन थे। वे इस गँवार मंडली में बोलना अथवा सम्मिलित होना अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल समझते थे।

(ग) तीन महीने और गुजर गये । माँ के गहनों पर हाथ साफ करके चारों भाई उसकी दिलजोई करने लगे थे। अपनी स्त्रियों को भी समझाते रहते थे कि उसका दिल न दुखायें। अगर थोड़े शिष्टाचार से उसकी आत्मा को शान्ति मिलती है, तो इसमें क्या

हानि है। चारों करते अपने मन की, पर माता से सलाह ले लेते। या ऐसा जाल फैलाते कि वह सरला उनकी बातों में आ जाती और हरेक काम में सहमत हो जाती। बाग को बेचना उसे बहुत बुरा लगता था; लेकिन चारों ने ऐसी माया रची कि वह उसे बेचने पर राजी हो गयी; किन्तु कुमुद के विवाह के विषय में मतैक्य न हो सका। माँ पं. मुरारीलाल पर जमी हुई थी, लड़के दीनदयाल पर अड़े हुए थे। एक दिन आपस में कलह हो गया।

(घ) रूपमणि ने फटकार बताई—क्या डिग्री ले लेने ही से आदमी का जीवन सफल हो जाता है ? सारा ज्ञान, सारा अनुभव पुस्तकों ही में भरा हुआ है ? मैं समझती हूँ, संसार और मानवी चरित्र का जितना अनुभव विशम्भर को दो सालों में हो जायेगा, उतना दर्शन और कानून की पोथियों से तुम्हें दो सौ वर्षों में भी न होगा, अगर शिक्षा का उद्देश्य चरित्रबल मानो, तो राष्ट्र-संग्राम में मनोबल के जितने साधन हैं, पेट के संग्राम में कभी हो ही नहीं सकते।

2. कहानीकार के रूप में प्रेमचंद का महत्व रेखांकित कीजिए। 10

3. 'दो बैलों की कथा' 'संघर्ष बनाम मुक्ति की कथा है।' विश्लेषण कीजिए। 10

4. दलित जीवन के संदर्भ में 'सद्गति' कहानी का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. 'विध्वंस' कहानी के शिल्प-विधान पर विचार कीजिए। 10

6. नवीन जीवन मूल्यों के संदर्भ में 'गुल्ली डण्डा' कहानी को विश्लेषित कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणी लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) स्वाधीनता आन्दोलन और प्रेमचंद

(ख) 'बूढ़ी काकी' की भाषा

(ग) प्रेमचंद की कहानियों में स्त्री जीवन

(घ) साम्प्रदायिकता की समस्या और प्रेमचंद